मेरे शीश के दानी की शान निराली | By Sumit Gupta

मेरे शीश के दानी की जय हो
इस महाबलवानी की जय हो
हारे के सहारे की जय हो
हम सबके प्यारे की जय हो

मेरे शीश के दानी की जी शान निराली है
इस महाबलवाणी की जी शान निराली है
जो हार के आया दर तूने बिगड़ी बना दी है
मेरे शीश के दानी की जी शान निराली है

लिया वचन जब आपसे माँ ने युद्ध की और बढ़ाया है
हारे का तुम साथ निभाना कह के समझाया है
जो हार के आया तेरी शरण तू बना जी साथी है
मेरे शीश के दानी की जी शान निराली है

एक तीर से आपने पूरे वृक्ष को भेद दिखाया है
वहीँ पे रोका आप प्रभु फिर ऐसा चक्र चलाया है
समझ गए जगदीश्वर तेरी शक्ति भारी है
मेरे शीश के दानी की जी शान निराली है

दिया शीश का दान आपने तब सबको हैरान किया
तभी प्रभु ने श्याम नाम का आपको है वरदान दिया
कलयुग में होने वाली तेरी महिमा भारी है
मेरे शीश के दानी की जी शान निराली है

खाटू की नगरी में आकर जिसने शीश झुकाया है
आँखों में दो आंसू लेकर अपना हाल सुनाया है
पलट गई किस्मत उसकी ये दुनिया जानी है
मेरे शीश के दानी की जी शान निराली है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%80%e0%a4%b6-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b0/